वाइल्ड सेक्स चुदाई कहानी में मेरे घर के कार्यक्रम में मेरी बीवी की सहेली भी आई. वह मस्त माल थी, लंड खड़ा हो गया. फंक्शन के बाद मैं उसे घर छोड़ने गया तो उसने अंदर बुला लिया.

यह बात सन 2013 की बात है.
तब मैं दिल्ली में जॉब करता था.

एक बार जब मेरे घर पर कोई फंक्शन था तो मेरी वाइफ ने अपनी सहेली जिशना को भी इन्वाइट किया.

मैंने उसे बहुत कम बार देखा था.
लेकिन जब वह मेरे घर आई, तो ऐसा लगा जैसे स्वर्ग की अप्सरा हो … वह बहुत ही सुंदर दिखने वाली माल जैसी थी.
उसकी हाइट कम से कम 5 फुट 7 इंच रही होगी.

मैं उसे देखता ही रह गया.
सच में यार क्या लग रही थी, मैं लिख कर तो बयान ही नहीं कर सकता.
उसकी चूचियां जैसे किसी नई-नवेली दुल्हन की हों … एकदम मुसम्मी सी गोल और रसभरी.

जब फंक्शन के दौरान मेरी उससे मुलाकात हुई तो मेरा मन कर रहा था कि अभी मौका मिलते ही इसके ऊपर टूट पड़ूँ.
लेकिन वाइफ के डर से मैं कुछ नहीं कर पाया.

जैसे-तैसे फंक्शन खत्म हुआ और वह चली गई.
मेरा तो उसके बारे में सोचते ही बुरा हाल था.

अब मेरे दिमाग में सिर्फ वही घूम रही थी.
उसी की याद में मैं हर वक्त कुछ न कुछ जुगत लगाता रहता था.

जिशना भी मेरे घर आती जाती रही और इस बीच मुझे कुछ ऐसा लगा कि वह भी मुझे देखती है.

एक दिन वह मेरे घर आई थी.

कुछ देर बाद उसे घर वापस जाना था तो बीवी ने मुझे आवाज दी.
वाइफ ने मुझसे कहा कि उसे घर तक छोड़ दो.

मुझे मौका मिल गया. मुझे तो बस यही चाहिए था.

मैं उसे बाइक पर बिठाकर उसके रूम तक छोड़ने गया.

Text to PDF

वहां उसका पति ड्यूटी पर गया था.
उसने मुझे अन्दर आने को कहा.

मैं अन्दर गया तो मैंने उसे देखा तो वह मुझे देख कर मुस्कुराने लगी.

मैंने पूछा- क्या हुआ?
वह कुछ नहीं बोली, बस मुझे देख कर कामुक मुस्कान देने लगी.

मैंने आगे बढ़ कर उसे पकड़ लिया तो वह भी मुझसे लिपट गई.
अब तो मेरा लंड तंबू बन गया था.

हम दोनों लिपट गए और चूमा चाटी करने लगे.
मैंने उसके दूध दबाए तो वह मेरे लौड़े को पकड़ने लगी.

अब मैंने उसकी पजामी खोल दी और उसकी चूत पर हाथ रखा, तो वह पहले से ही गीली हुई पड़ी थी.

मैंने उसे चित लिटाया और उसकी चूत को चाट-चाटकर लाल कर दिया.

वह भी मस्त हो चुकी थी और ऐसे मचल रही थी मानो बिन पानी के मछली तड़पती है.
मैंने उसकी चूचियों पर हमला बोला और एक दूध को अपने मुँह में भर लिया.

वह भी मस्ती से मुझे अपने दूध चुसवाने लगी.
मैंने उसके दोनों मम्मों को खूब चूसा और निप्पलों को होंठों से खींच खींच कर उसकी और अपनी चुदास को चरम पर पहुंचा दिया.

वह नशीले स्वर में बोली- अब कुछ करोगे भी … या चूसते ही रहोगे?

मेरा मन था कि उसे अभी और तड़पाऊं, लेकिन मुझसे रहा नहीं गया.
मैंने नीचे उसकी चूत में देखा, तो ऐसा लग रहा था जैसे नई कुंवारी लड़की की बुर हो.

उसका संकरा सा छेद देख कर मेरा तो दिल खुश हो गया.
मैंने उसकी चूत को मुँह से चूस-चूसकर लाल कर दिया, वह गर्म होकर झड़ने लगी.

मैं उसका सारा पानी पी गया.
क्या नमकीन पानी था यार … इतना स्वादिष्ट रस तो मेरी बीवी की चुत से भी नहीं निकलता था.

कुछ देर तक हम दोनों एक दूसरे से प्यार करते रहे.
मैं भभक रहा था और वह ठंडी हो गई थी.

Text to PDF

मैंने उसके दूध चूसना चालू किए तो वह जल्दी ही गर्म हो गई.
अब उसके बाद वह मेरे ऊपर आ गई और अपनी चूत को मेरे लंड पर रगड़ने लगी.

मैंने अपना लंड का टोपा उसकी चूत पर लगाया और हल्का-सा झटका दिया.

वह चीख उठी क्योंकि मेरा लंड सीधे उसकी चूत में अन्दर चला गया था.

वह कसमसाती हुई मुझसे लिपट गई.
मैं उसके चूतड़ों को मसलता हुआ उसकी चुत में लंड को अन्दर दबाने लगा.

कुछ देर बाद वह लंड से सहज हो गई और मुझे चूमने लगी.
मैं समझ गया कि ये अब चुदने को रेडी हो गई है, तो बस फिर क्या था … मैंने उसे चोदना चालू कर दिया.

वह भी दस बीस शॉट खाकर मेरे लौड़े पर सवारी गांठने लगी.

उसने मेरे सीने पर अपने दोनों हाथ रखे और गांड को आगे पीछे करती हुई लौड़े को चुत से चबाने लगी.

उसकी चूचियां मुझे मदमस्त कर रही थीं तो मैं उसके दूध पकड़ कर अपनी गांड उठा उठा कर उसकी चुत में झटके दे रहा था.

कुछ ही देर में वह एकदम से गर्मा गई और आह आह करती हुई उसने स्पीड पकड़ ली.
रूम में घमासान चुदाई शुरू हो गई.

हम दोनों पसीने से तर-बतर हो गए … मेरा लंड उसकी चूत की दीवारों से टकराते हुए उसे पागल कर रहा था.

इतने में उसने तेज़ झटका मारा और उसका पानी मेरे लंड से होते हुए मेरे ऊपर आ गया.

वह झड़ जरूर गई थी लेकिन थकी नहीं थी.
वह मेरे सीने पर लेट कर चुत को लौड़े से रगड़ती रही.

मैंने भी तेजी से लंड को चुत में चलाया, तो कुछ ही देर में मेरा वीर्य भी निकलने वाला हो गया था.
मैंने उससे पूछा- रस कहां निकालूँ?

उसने बोला- अन्दर ही निकाल दो.
मैंने लगातार तेज़ तेज़ झटके मारे और उसकी चूत के अन्दर ही पूरा माल खाली कर दिया.

वह भी दुबारा से झड़ गई और मेरे ऊपर ही सो गई.

Text to PDF

कुछ देर के बाद वह उठी और बाथरूम जाने लगी तो मैंने उसे रोक दिया.
मेरे माल से भरी हुई उसकी चूत को मैंने अपने मुँह में लिया तो वह फिर से तड़प उठी.

मेरा लंड बैठने का नाम ही नहीं ले रहा था.

उसने भी घुटनों के बल बैठ कर मेरे लंड के टोपे को मुँह में लिया, तो मेरा लंड फिर से तंबू बन गया और उसके मुँह के अन्दर-बाहर होने लगा.

उसने कहा- अब तड़पाओ मत, जल्दी से आ जाओ मेरे ऊपर!
मैंने उसे घोड़ी बनाया और पीछे से उसकी चूत में लंड लगा दिया.

उसकी चूत पहले ही चिकनी थी, फिर मेरे माल से और भी ज्यादा चिकनी हो गई थी.
मेरा लंड इस बार बिना किसी रुकावट के सीधे चुत की जड़ तक अन्दर घुसता चला गया.

वह मीठे दर्द से आंखें बंद करके सिहर उठी.
मेरा लंड उसकी बच्चेदानी से टकराने लगा था.

हम दोनों को ही असीम आनन्द की अनुभूति हो रही थी.
मैंने उसी पोजीशन में उसे खूब देर तक लगातार चोदा.

करीब 25 मिनट की वाइल्ड सेक्स चुदाई के दौरान वह दो बार झड़ चुकी थी लेकिन मेरा लंड झड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था.

अब मैंने उसे सीधे लेटने को बोला.
वह सीधी लेट गई.

मैंने अपना लंड उसकी दोनों टांगों के बीच रखा और लंड को तो जैसे छेद का सब पता हो, सीधे उसकी बुर में घुसता चला गया.
उसकी हल्की सी आह निकली और उसने भी अपनी टांगों को मेरी कमर से लिपटा लिया.

मैं भी पिल पड़ा और अगले दस मिनट की धुआंधार चुदाई के बाद मेरा लंड झड़ने वाला हो गया था.
मैंने झुक कर उसकी चूची को चूसा और पूछा- इस बार भी अन्दर ही निकालूँ?

उसने हंस कर कहा- हां राजा … अन्दर ही निकाल दो!
मैंने लगातार तेज़ तेज़ 8-10 झटके मारे और उसकी चूत में ही झड़ गया.

Text to PDF

वह भी मेरे साथ ही झड़ गई.
मेरे माल से उसकी चूत भर गई ठी.

वह अपनी एक उंगली से चुत से माल निकाल कर टेस्ट करने लगी.

मैंने कहा- कैसा है?
वह हंस दी और बोली- मीठा है.

हम दोनों इसी तरह की चुहल करते रहे और कुछ देर बाद उठ कर बाथरूम में आ गए.
काफी गर्मी लग रही थी और जिस्म भी पसीने से भीगा हुआ था तो दोनों का ही मन नहाने का हो गया था.

हम दोनों नंगे ही नहाने लगे थे.

वहां भी हम दोनों उत्तेजित हो गए और एक बार फिर से चुदाई शुरू हो गई.

चुदाई के बाद नहाना हुआ और मैंने बाहर आकर उसे किस किया. दोनों ने कपड़े पहने और मैं अपने घर वापस आ गया.

उसके बाद तो मैंने उसे न जाने कितनी बार चोदा. उसकी एक औलाद भी मेरे लौड़े से ही पैदा हुई है.

फिर उसके बाद जब उसको बच्चा हुआ तो हमें बहुत दिनों बाद सेक्स करने का मौका मिला था.

इस बीच मैं भी दिल्ली से निकल कर मथुरा में रहने लगा था तो मिलने का मौका नहीं मिल पा रहा था.
उस वक्त मैं कहीं बाहर जाने वाला था, तो मुझे दिल्ली से होकर ही जाना था.

मैंने अपने एक दोस्त के यहां फोन किया कि तेरे कमरे में अपनी जीएफ को लाना है.
उसने हां बोलते हुए कहा- कोई दिक्कत नहीं है, तुम मेरे रूम पर आ जाना.

मेरी ट्रेन दूसरे दिन सुबह की थी.
मैं घर से तैयार होकर ही दिल्ली गया था.

मैंने दोस्त के यहां पहुंचने पर जिशना को कॉल किया.
तो वह बोली- हज़बैंड ड्यूटी पर गए हैं, तुम इधर ही आ जाओ.
मेरा तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा.

मैंने जल्दी से दोस्त की बाइक उठाई और चल दिया.
रास्ते से वाइन शॉप से मैंने 4 बियर ले लीं.

Text to PDF

जिशना के घर पहुंचते ही वह मेरे गले से लग गई … हम दोनों ने 2-2 बियर पी लीं.

उसके बाद हमें बियर का नशा चढ़ गया था और एक-दूसरे से सेक्स का नशा तो पहले से ही चढ़ा हुआ था.
मैंने उसे गोद में उठाया और बेड पर ले गया.

उसे बहुत सारी चुम्मियां कीं.
वह भी मेरा साथ देने लगी.

मैंने उसे नंगी कर दिया.
ऐसा लग रहा था जैसे बनाने वाले ने उसे मेरे लिए ही बनाया था.

वह मां बनने के बाद तो और ज्यादा गदरा गई थी.
ऊपर से एकदम दूध सी सफेद थी ही.

मैंने उसे खूब किस किया और उसकी चूत को मुँह में लेकर उसका रस पीने लगा.

उससे रहा नहीं गया और साली ने मेरे मुँह में ही मूत दिया.
उस समय तो उसका मूत भी अमृत लग रहा था.

मैंने सब पी लिया.
वह मदहोश हो गई थी.

मैंने अपना फड़फड़ाता हुआ लंड निकाला और सीधा उसकी चूत में पेल दिया.
वह ‘आ … आह्ह्ह’ की आवाज़ें करती हुई मेरा साथ देने लगी.

कमरे में ठप-ठप की आवाज़ गूंजने लगीं.
उस दिन मैंने उसे 3 बार चोदा.

उसके बाद वह दुबारा से प्रेग्नेंट हो गई लेकिन मुझे बाद में पता चला कि उसका गर्भ गिर गया था.

दोस्तो, ये सेक्स कहानी मेरी हक़ीकत है.
बस उसका नाम बदल कर लिखा है, कुछ घटनाएं और भी साथ साथ हुई थीं, जिन्हें नहीं लिख पाया.

दरअसल वे घटनाएं उसकी किसी सहेली की थीं जिसने हम दोनों की चुदाई देख ली थी.
बाद में कभी लिखूँगा कि उसकी सहेली का क्या हुआ था.

Text to PDF